विवरण–2

विमान बेड़े के ब्यौरे

क्रम संख्या	विमान का प्रकार	पंजीकरण संख्या	पंजीकरण की तारीख
01	डी ओ–228	वी टी ईआईओ	16–12–19 84
02	डी ओ–228	वी टी –ईआईपी	16–12–1984
03	डी ओ–228	वी टी–ई आईक्यू	22–2–1985
04	डी ओ–228	वी टी–ई जे ओ	1–12–1985
05	डी ओ–228	वी टी–ई जे एन	9–4–1986
06	डी ओ–228	वी टी–ई जे डब्ल्यू	20–6–1986
07	डी ओ -228	वी टी–ई जे यू	23–7–1986
08	डी ओ–228	वी टी–ई जे वी	29–5–1986
09	एच एस–748	वी टी–डी एक्स के	29–5–1968
10	एच एस–748	वी टी–डी एक्स एन	29–7–1968
11	एच एस–748	वी टी–डी एक्स एम	3–12–1969
12	एच एस–748	वी टी–डी एक्स एल	27–6–1969
13	एच एस–748	वी टी–डी एक्स आर	27–6–1969
14	एच एस–748	वी टी–डी एक्स वी	23–4–1969
15	एच एस–748	वी टी–डी एक्स क्यू	12–2–1970
16	एच एस–748	वी टी–डी एक्स ओ	2–4–1969
17	एफ–27	वी टी–डी डब्ल्यू यू	11–9–1967

देश के सभी अड्डों हवाई पर वायुदूत सेवा

*555. **श्री जे. पी. जबर्लि** : क्या **नागर विमान और पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि वायुदूत सेवा के बेड़े में सीमित और पुराने विमान होने के कारण यह सेवा वाणिज्यिक दृष्टि से अलाभकर हो गई है और उसे चलाना अव्यवहार्य हो गया है ;

(ख) क्या इसी कारण से अचानक उसकी निर्धारित उडानें बंद हो गई हैं और कतिपय हवाई अड्डो से वायुदूत सेवायें हटा ही गई हैं ; और

(ग) वायुदूत बेडे में विमानो की संख्या बढाने हेतु क्या कदम उठाए जा रहे हैं तथा देश के सभी हवाई अड्डों पर वायुदूत सेवा का विस्तार किए जाने के संबंध में सरकार किन योजनाओं पर विचार कर रही है ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री **श्री माधवराव सिंधिया**) (क) वायुदूत के पास मौजदा विमान पुराने और गैर-किफायती हैं तथा उनमें भारी रख-रखाव की जरूरत है ।

(ख) जी, हां ।

(ग) वित्तीय कठिनाइयों के कारण, वायुदूत के विमान बेडे में वृद्धि करने की कोई तात्कालिक योजनायें नहीं हैं ।